राम वनगमन पर्यटन परपिथ के तहत शविरीनारायण में प्रथम चरण के वकिास कार्यों का लोकार्पण

चर्चा में क्यों?

10 अप्रैल, 2022 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रामनवमी के अवसर पर महानदी, शविनाथ और जोंक नदयिों के संगम पर स्थति छत्तीसगढ़ के सुप्रसदि्ध तीर्थस्थल शविरीनारायण में राम वनगमन पर्यटन परपिथ के तहत कराए गए प्रथम चरण के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण तथा वकिास कार्यों का लोकार्पण कयिा।

प्रमुख बदिु

- छत्तीसगढ़ के साथ भगवान राम से जुड़ी स्मृतयिों को सहेजते हुए यहाँ की संस्कृतकिो वशि्व स्तर पर नई पहचान दलिाने के लयि प्रदेश सरकार ने राम वन गमन पर्यटन परपिथ परयिोजना शुरू की है।
- इस परयिोजना के पहले चरण में वकिास के लयि चुने गए 9 में से 2 स्थानों पर पर्यटन सुवधिाओं के वकिास तथा सौंदर्यीकरण का काम पूरा हो गया है। इनमें से माँ कौशल्या धाम चंदखुरी के वकिास कार्यों का लोकार्पण 7 अक्टूबर, 2021 को कयिा गया था।
- श्रद्धालुओं को दीप प्रज्वलति करने में परेशानी न हो, इसके लयि मंदरि परसिर के भीतर ही वशिाल दीप स्तंभ का नरि्माण कयिा गया है।
- शविरीनारायण प्राकृतकि छटा से परपिूर्ण नगर है, जो छत्तीसगढ़ के जगन्नाथपुरी धाम के नाम से वखि्यात है।
- श्रद्धा के साथ ही यह संगम तट पर्यटन के लयि भी जाना जाए, इसके लयि घाट पर व्यू प्वॉइंट का नरि्माण कयिा गया है, जहाँ से पर्यटकों को अद्भुत नज़ारों का दीदार होगा।
- पौराणकि मान्यता के अनुसार 14 वर्ष के वनवास के दौरान प्रभु राम ने लगभग 10 वर्ष का समय छत्तीसगढ़ में गुज़ारा था। वनवास काल में उन्होंने छत्तीसगढ़ में प्रवेश कोरयिा के सीतामढ़ी हरचौका से कयिा था। उत्तर से दक्षणि की ओर बढ़ते हुए वे छत्तीसगढ़ के अनेक स्थानों से गुज़रे। सुकमा का रामाराम उनका अंतमि पड़ाव था।
- प्रभु राम ने वनवास काल के दौरान लगभग 2260 कमिी. की यात्रा की थी। ऐसे में छत्तीसगढ़ से जुड़ी भगवान राम के वनवास काल की स्मृतयिों को सहेजने तथा संस्कृतएिवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लयि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राम वन गमन पर्यटन परपिथ परयिोजना वर्ष 2019 में चंदखुरी स्थति माता कौशल्या मंदरि में भूमपिूजन कर शुरू की गई थी।
- परयिोजना के तहत चयनति 75 स्थानों पर आवश्यकता के अनुसार पहुँच मार्ग का उन्नयन, संकेत बोर्ड, पर्यटक सुवधिा केंद्र, इंटरप्रटिेशन सेंटर, वैदकि वलिेज, पगोड़ा वेटगि शेड, मूलभूत सुवधिा, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, सटिगि बेंच, रेस्टोरेंट, वाटर फ्रंट डेवलपमेंट, वदि्युतीकरण आदकिार्य कराए जाएंगे।
- शविरीनारायण महत्ता इस बात से पता चलती है कदिेश के चार प्रमुख धाम बद्रीनाथ, द्वारका, जगन्नाथपुरी और रामेश्वरम् के बाद इसे पाँचवें धाम की संज्ञा दी गई है।
- यह स्थान भगवान जगन्नाथ का मूल स्थान है, इसलयि छत्तीसगढ़ के जगन्नाथपुरी के रूप में प्रसदि्ध है। यहाँ प्रभु राम का नारायणी रूप गुप्त रूप से वरिाजमान है, इसलयि यह गुप्त तीर्थधाम या गुप्त प्रयागराज के नाम से भी जाना जाता है।
- राम वन गमन पर्यटन परपिथ के अंतर्गत प्रथम चरण में सीतामढ़ी-हरचौका (ज़लिा- कोरयिा), रामगढ़ (ज़लिा- सरगुजा), शविरीनारायण (ज़लिा- जाँजगीर-चांपा), तुरतुरयिा (ज़लिा- बलौदाबाज़ार), चंदखुरी (ज़लिा- रायपुर), राजमि (ज़लिा- गरयिाबंद), सप्तर्षआिश्रम सहिावा (ज़लिा- धमतरी), जगदलपुर और रामाराम (ज़लिा- सुकमा) को वकिसति कयिा जा रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/inauguration-of-the-first-phase-of-development-works-in-shivrinarayan-under-ram-van-gaman-tourism-circuit